Title: Demanded the Government not to introduce the Women Reservation Bill without concensus.

प्रो.एस.पी.सिंह बघेल (जलेसर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान महिला आरक्षण बिल की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। यह पेश होने जा रहा है।

महोदय, आपका संसदीय इतिहास बहुत लम्बा रहा है और आप इस बात के खुद ज्ञाता हैं कि जब भी इस देश में संविधान संशोधन हुआ है, वह आम सहमति के आधार पर हुआ है। बिना आम सहमति बनाये ऐसा पहली बार हो रहा है और तानाशाही के बल पर यह विधेयक लाया जा रहा है। मैं आपका ध्यान इस ओर खींचना चाहता हूं कि जब तक इस बिल में दलित, पिछड़ी महिलाओं के बारे में और अल्पसंख्यक महिलाओं के हितों की रक्षा नहीं की जायेगी या उनको उचित प्रतिनिधित्व नहीं दिया जायेगा, तब तक इस बिल को यहां लाना और इसको पारित कराना राष्ट्र हित में नहीं है। यह बिल इस देश में रहने वाले ८५ प्रतिशत लोगों के खिलाफ, देश के सर्वहारा वर्ग के खिलाफ है। इसलिये मेरा आपसे निवेदन है कि माननीय संसदीय कार्य मंत्री इस सदन को अवगत करायें कि पहले आम सहमति बनायेंगे और जब आम सहमति बन जायेगी, उसके बाद ही यह बिल इस सदन के पटल पर रखेंगे।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान इतिहास की ओर खींचना चाहता हूं। जब पानीपत की पहली लड़ाई हुई और इब्राहिम लोधी को बाबर ने पराजित कर दिया, उसके बाद देश को इतने गंभीर परिणाम नहीं भुगतने पड़े, पानीपत के दूसरे युद्ध के बाद भी देश को गंभीर परिणाम नहीं भुगतने पड़े और प्लासी के युद्ध के बाद भी देश को गंभीर परिणाम नहीं भुगतने पड़े लेकिन अगर यह बिल पास हो जायेगा तो समझ लीजिये कि देश में फिर से देसी ईस्ट इंडिया कम्पनी आ जायेगी।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please confine to your subject.

प्रो.एस.पी.सिंह बघेल : उपाध्यक्ष महोदय, इसलिये मेरा आपसे निवेदन है कि हिन्दुस्तान के ८५ प्रतिशत दलित, अल्पसंख्यक लोगों की आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक स्थिति का सवाल है। हिन्दुस्तान के ८५ प्रतिशत लोग हम पर निगाह रखे हुये हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : श्री हरपाल सिंह साथी ।

प्रो.एस.पी.सिंह बघेल : मेरा निवेदन है कि यह बिल इस सदन में पेश न किया जाये। मेरी समाजवादी पार्टी की इस मामले पर गंभीर आपत्ति है, साथ ही आर.जे.डी. भी इस के खिलाफ है। जब तक ८५ प्रतिशत के लिये नहीं करेंगे, मुट्ठीभर लोगों को कैसे रोकेंगे?

उपाध्यक्ष महोदय : मि. बघेल, आप सरकार से क्या चाहते हैं, वह पूछिये।

प्रो.एस.पी.सिंह बघेल : अध्यक्ष महोदय, जब भी इतिहास बदला है, इस देश में मुट्ठीभर लोगों ने लड़ाई की थी

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मि. बघेल, आप पूछना क्या चाहते हैं, आप भारत सरकार से क्या चाहते हैं? श्री बघेल का अब कुछ भी रिकार्ड पर नहीं जाएगा। श्री बंसल जी की बात रिकार्ड पर जाएगी।

... (व्यवधान)